मेरो खो गया बाजूबंद रसिया होली में, पीहर जाऊंगी भरतार... गाने पर छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुति

सीआरएसयू में तीन दिवसीय इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल का आगाज, 43 प्रतियोगिताएं होंगी

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के परिसर में तीन दिवसीय इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल का शुभारंभ बुधवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. रामपाल सैनी रहे। इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में 43 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता में पांच टीमों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

विश्वविद्यालय परिसर में छह मंच लगाए गए गए हैं, जिन पर एक साथ अलग-अलग सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। महोत्सव में 11 महाविद्यालयों के 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया है। पहले दिन विद्यार्थियों ने मेरो खो गया बाजूबंद रसिया होली में, देखा है तुझको तो मै तो हिल गया, पीहर जाऊंगी भरतार जैसे गानों पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि युवावस्था ऊर्जा, उत्साह और नवाचार का प्रतीक है। सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करती हैं और उन्हें आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती हैं। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का यह प्रयास है कि विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों से भी समृद्ध किया जाए। इस प्रकार के युवा महोत्सव विद्यार्थियों में टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

सीआरएसयू में आयोजित तीन दिवसीय इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल के दौरान नृत्य की प्रस्तुति देतीं प्रतिभागी। • जागरण

युवा एवं सांस्कृतिक महोत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मक, सांस्कृतिक व कलात्मक प्रतिभाओं को निखारने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक सोच का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि रंग महोत्सव विद्यार्थियों की सृजनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि नाट्य संगीत नृत्य साहित्य और ललित कलाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सामाजिक समरसता का विकास होता है। युवा महोत्सव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थी न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि आपसी सहयोग और सांस्कृतिक समरसता का भी अनुभव प्राप्त करेंगे।

ऐसे आयोजनों से नई ऊर्जा का होता संचार : रजिस्ट्रार

रजिस्ट्रार डा. राजेश बंसल ने कहा कि युवा ही संस्कृति के वाहक हैं और ऐसे आयोजनों से उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और आपसी समन्वय की भावना का विकास होता है। युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और ऐसे आयोजन उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन व सामाजिक दायित्व की भावना को विकसित करते हैं।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 22 Jan 2026 - Page 4

सीआरएसयू के इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में 43 विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी

यूथ फेस्टिवल में नृत्य संगीत और नाटक की दिखी अनोखी झलक

प्रत्येक प्रतियोगिता में न्यूनतम पांच टीमों की भागीदारी होगी सुनिश्चित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

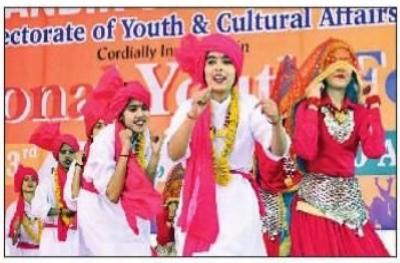

जींद। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए। फोटो : हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम के शुभारंभ मौके पर मौजूद वीसी। फोटो : हरिभूमि

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के परिसर में इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल का भव्य एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ किया गया। इस युवा महोत्सव का आयोजन निदेशालय युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियां द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागी विद्यार्थी, शिक्षक गण एवं विश्वविद्यालय के अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी रहे। फॉर्मल वेलकम कुलसचिव डा. राजेश बंसल द्वारा किया गया। उन्होंने आयोजकों को इस युवा महोत्सव का शुभ आरंभ करने के लिए बधाइयां दी। निदेशालय युवा एवं सांस्कृतिक ने बाहर से आए सभी प्रतिभागियों का और उनके साथ आए ऑफिशल्स का इस युवा महोत्सव में पहुंचने पर हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि युवावस्था ऊर्जा, उत्साह और नवाचार का प्रतीक है। सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करती हैं और उन्हें आत्म अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती हैं। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का यह प्रयास है कि विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों से भी समृद्ध किया जाए। इस प्रकार के युवा महोत्सव विद्यार्थियों में टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सैनी ने कहा कि युवा एवं सांस्कृतिक महोत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रतिभाओं को निखारने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक सोच का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि रंग महोत्सव विद्यार्थियों की सृजनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि नाट्य संगीत नृत्य साहित्य और ललित कलाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सामाजिक समरसता का विकास होता है।

युवा ही संस्कृति के वाहक : कुलसचिव

कुलसचिव डा. राजेश बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि युवा ही संस्कृति के वाहक हैं और ऐसे आयोजनों से उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल जैसे आयोजन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को सजीव बनाते हैं और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और आपसी समन्वय की भावना का विकास होता है। डा. बंसल ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और ऐसे आयोजन उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सामाजिक दायित्व की भावना को विकसित करते हैं।

कुल छह मंच स्थापित

इस इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में कुल 43 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता में न्यूनतम पांच टीमों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रमों के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु विश्वविद्यालय परिसर में छह मंच स्थापित किए गए हैं। जिन पर एक साथ अलग-अलग सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस महोत्सव में 11 महाविद्यालयों के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया है। विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, वाद-विवाद एवं अन्य सांस्कृतिक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों का उत्साह, अनुशासन और रचनात्मकता दर्शनीय रही। जिसने पूरे वातावरण को ऊर्जा और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, निर्णायकों एवं सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए युवा महोत्सव की सफलता की कामना की।

पंजाब केसरी

Date-22.01.2026

सी.आर.एस.यू. में इंटर जोनल यूथ फैस्टीवल का शुभारंभ

(ऊपर) कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए. (नीचे) कार्यक्रम के शुभारंभ मौके पर मौजूद वी.सी.।

जींद, 21 जनवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के परिसर में इंटर जोनल यूथ फैस्टीवल का भव्य एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ किया गया। इस युवा महोत्सव का आयोजन निदेशालय युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियां द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागी विद्यार्थी, शिक्षकगण एवं विश्वविद्यालय के अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी रहे।

फॉर्मल वैलकम कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल द्वारा किया गया। उन्होंने आयोजकों को इस युवा महोत्सव का शुभारंभ करने के लिए बहुत-बहुत बधाइयां दीं। निदेशालय युवा एवं सांस्कृतिक ने बाहर से आए सभी प्रतिभागियों का और उनके साथ आए ऑफिशियल्स का इस युवा महोत्सव में पहुंचने पर हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि युवावस्था ऊर्जा, उत्साह और नवाचार का प्रतीक है। सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करती हैं और उन्हें आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती हैं।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का यह प्रयास है कि विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों से भी समृद्ध किया जाए। इस प्रकार के युवा महोत्सव विद्यार्थियों में टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि युवा एवं सांस्कृतिक महोत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रतिभाओं को निखारने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक सोच का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि रंग महोत्सव विद्यार्थियों की सृजनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच है।

ढोल बजाता हुआ विद्यार्थी।

कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि युवा ही संस्कृति के वाहक हैं और ऐसे आयोजनों से उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है।

इंटर जोनल यूथ फैस्टीवल जैसे आयोजन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को सजीव बनाते हैं और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और आपसी समन्वय की भावना का विकास होता है।

डॉ. बंसल ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और ऐसे आयोजन उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सामाजिक दायित्व की भावना को विकसित करते हैं।

निदेशालय युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के निदेशक डॉ. अनिल ने बताया कि इस इंटर जोनल यूथ फैस्टीवल में कुल 43 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता में न्यूनतम 5 टीमों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

कार्यक्रमों के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु विश्वविद्यालय परिसर में 6 मंच स्थापित किए गए हैं, जिन पर एक साथ अलग-अलग सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में 11 महाविद्यालयों के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया है। विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, वाद-विवाद एवं अन्य सांस्कृतिक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों का उत्साह, अनुशासन और रचनात्मकता दर्शनीय रही, जिसने पूरे वातावरण को ऊर्जा और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, निर्णायकों एवं सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए युवा महोत्सव की सफलता की कामना की।

अमर उजाला

Date-22.01.2026

महोत्सव में विद्यार्थियों ने नृत्य संगीत-नाटक की प्रस्तुति दी

इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में 6 मंचों पर 300 कलाकार दिखा रहे प्रतिभा

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल का बुधवार को शुभारंभ हुआ। महोत्सव में संस्कृति, शिक्षा और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला और वाद-विवाद की प्रस्तुति देकर परिसर को उमंग से भर दिया।

निदेशालय के निदेशक डॉ. अनिल ने बताया कि महोत्सव में 11 महाविद्यालयों के 300 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। महोत्सव के सुचारू संचालन के लिए विश्वविद्यालय में 6 मंच स्थापित किए गए हैं जहां 43 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राम पाल सैनी ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने और उन्हें आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करने का कार्य करती हैं। विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ नैतिक और सामाजिक मूल्यों से

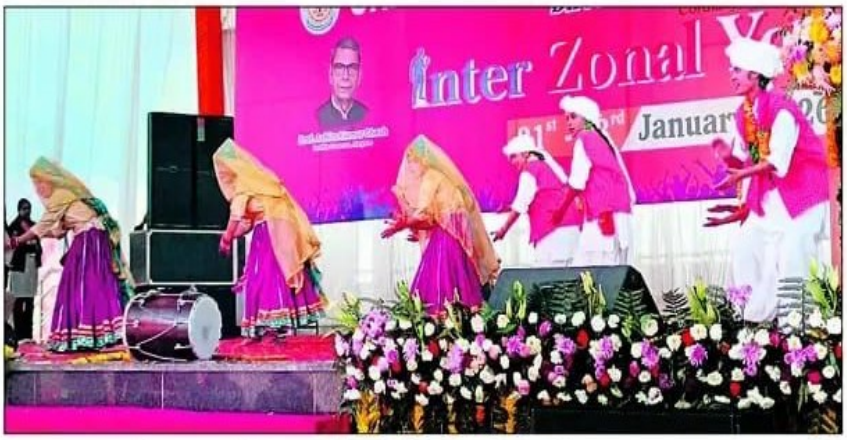

जोनल यूथ फेस्टिवल में सांस्कृतिक नृत्य करती कलाकार। संवाद

समृद्ध करना है।

प्रो. सैनी ने कहा कि रंग महोत्सव विद्यार्थियों की सृजनात्मक ऊर्जा को व्यक्त करने का सशक्त मंच है जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने इस आयोजन को स्वर्ण जयंती वर्ष की पहचान बनाने के लिए अनुशासन और गुणवत्ता के साथ आयोजित करने का आग्रह किया।

कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि ऐसे आयोजन शैक्षणिक वातावरण को सजीव बनाते हैं। यह महोत्सव

कार्यक्रम में डांस करता युवक। संवाद

युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है।